है, और प्रतिकर कार्यवाही की जाती है । क्षमता का प्रसार तथा आधुनिकीकरण करके, उत्पादन तथा प्रबन्ध के आधुनिक ढंगों का प्रगतिशीलता से प्रयोग करके उत्पादन को बढ़ाने के निरन्तर उपाय किए जाते हैं, फैक्टरी स्तर पर अधिकाधिक सूझ-बूझ विमुक्त करने के विचार से और प्रक्रिया में संशोधन सुनिश्चित करने के विचार से कि विलम्ब इत्यादि में कमी लाई जा सके, जहां आवश्यक हो, संगठनात्मक तबदीलियां की जाती हैं ।

Mr. Ian Smith's Regime in Rhodesia

460. SHRI P. C. ADICHAN :
SHRI RAMAVATAR SHASTRI :
SHRI H. N. MUKHERJEE :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that despite numerous resolutions passed by the different organs of United Nations against the minority whites regime headed by Mr. Ian Smith in Rhodesia, the latter is strengthening its hold against the will of the majority of the coloured people of the land ;

(b) if so, the latest position in this regard ; and

(c) the further steps which are proposed to be taken by Government to help to ensure a majority rule in Rhodesia through the various international organs or otherwise ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) The U.N. is seized of the matter. The subject last came up before the security Council on June 24, 1969. The Commonwealth Senctions Committee also considered the matter in an emergency meeting in London on June 27, 1969, when a Working Party consisting of India, U. K , Canada, Kenya, Zambia, Jamaica and Pakistan, was appointed to examine and report back to the main Committee all possible ways and means of making the sanctions more effective. The Working Party has also been asked to study the possibility of any additional sanctions capable of increasing the over-all effectiveness of the sanctions policy.

(c) The Government propose to keep up the pressure on the United Nations as well as the Government of the United Kingdom to devise ways and means to make the sanctions more effective with a view to bringing down the illegal racist regime.

Shaktiman Trucks

461. SHRIMATI SAVITRI SHYAM : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there is a shortfall in the production of Shaktiman trucks in 1967-68 ; and

(b) if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) Yes. The target fixed at the beginning of the year, based on available capacities, was 1100. As against this, the number of trucks produced during the period was 780.

(b) The shortfall in production was mainly due to the following reasons :—

(i) While fixing the target at the beginning of the year it had been hoped that supply of pistons, which was being delayed due to a strike, would be resumed by mid-1967. This expectation, however, did not materialise till quite late during the year.

(ii) The receipt of imported Micro filters was delayed.

(iii) Supply of rubber mountings from a trade firm was delayed.

(iv) There was hold up in production due to certain defects noticed in the Engine and Oil Pump.

चीन द्वारा भारत पर आक्रमण की तैयारियां

462. **श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
श्री ओम प्रकाश त्यागी :
श्री भा० सुन्दरलाल :
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :

श्री हरदयाल देवगुण :
श्री जय सिंह :
श्री यज्ञदत्त शर्मा :
श्री अब्दुल गनी डार :

क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि चीन द्वारा भारत पर पुनः आक्रमण की सम्भावना है ;

(ख) क्या सरकार को इस बात की भी आंशका है कि भारत पर आक्रमण के समय चीन परमाणु हथियारों तथा बमों का भी प्रयोग कर सकता है ;

(ग) यदि हां, तो यदि चीन ने आक्रमण किया तो सरकार का विचार देश की रक्षा किस प्रकार करने का है ;

(घ) क्या अमरीका तथा रूस की नीतियों में हो रहे परिवर्तन को देखते हुए सरकार का अपनी परमाणु नीति में परिवर्तन करने का विचार है ; और

(ङ) यदि हां, तो ये परिवर्तन क्या हैं, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) से (ङ). सरकार अपनी सीमा को संकट के प्रति सजग है, और उन सम्भाव्य रूपों के प्रति भी जो वह संकट धारण कर पाए।

सरकार की नाभिकीय आयुधों के विकास के प्रति नीति से सदन को समय-समय पर सूचित किया गया है। उनका विश्वास है कि अपनी सीमाओं की रक्षा प्रचलित आयुधों पर आधारित सैनिक तैयारी से उत्तम ढंग से सुनिश्चित की जा सकती है। उनके विचार में नाभिकीय आयुधों का स्वामित्व ऐसी तैयारी के लिए कोई प्रतिबदल नहीं है। अपना निर्धारण तथा योजनाओं को स्वाभाविक तौर पर निरन्तर पुनरीक्षण अधीन रखा जाता है, सबसे अधिक महत्त्व दिया जा रहा है, राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर।

मलयेशिया में अन्तर्राष्ट्रीय इस्लाम सम्मेलन

463. **श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
श्री ओम प्रकाश त्यागी :
श्री भा० सुन्दर लाल :
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
श्री बलराज मधोक :

क्या **वैदेशिक-कार्य मंत्री** 14 मई, 1969 के तारांकित प्रश्न संख्या 1708 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस्लाम सम्मेलन में भारत का किन-किन व्यक्तियों ने प्रतिनिधित्व किया और उनके चयन की कसौटी क्या थी ;

(ख) मलयेशिया में हुए अंतर्राष्ट्रीय इस्लाम सम्मेलन में भाग लेने वाले भारतीय प्रतिनिधियों पर सरकार द्वारा कुल कितनी राशि खर्च की गई ;

(ग) क्या इस सम्मेलन में काश्मीर के प्रश्न पर चर्चा हुई थी और यदि हां, तो भारतीय प्रतिनिधि मण्डल ने क्या दृष्टिकोण अपनाया था ; और

(घ) सम्मेलन में क्या प्रमुख निर्णय किए गए ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) व्यक्तियों के नाम इस प्रकार हैं :

(1) श्री सैयद अली जहीर, विधान सभा सदस्य—नेता।

(2) श्री एम० एन० नाघनूर, संसद सदस्य—सदस्य।

(3) श्री मोइनुल हक चौधरी, विधान सभा सदस्य—सदस्य।

(4) प्रोफेसर अहमद जमाल युसुफ—सदस्य।

(5) मौलाना अबुल इरफान—सदस्य।

प्रतिनिधिमण्डलों के चयन में ये बातें ध्यान में रखी गई :—

(1) जिन व्यक्तियों का चुनाव किया जाए